

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

Inauguration of the Chhipiwada Temple (1st November)

Srila Prabhupada's journey on the road to follow instructions given by his spiritual master, began from the congested streets of Old Delhi. Within the precincts of this area of Delhi, better known for the largest mosque in Asia, Jama Masjid, lies ISKCON Chhipiwada. The beautiful although small temple houses the Srila Prabhupada Museum which was inaugurated on 1st November. The deities of GauraNitai were also installed on the same day. The ceremony was attended by around 30 disciples of Srila Prabhupada, along with hundreds of followers who thronged to see his magic unfold. The temple is an exquisite piece of workmanship with its special architecture. Soul stirring kirtan enraptured the environment, captivating the hearts of all those who were present. The museum displays some of Prabhupada's personal belongings such as his harmonium and original letters. There is an impressive collection of his books in 60 different languages of the world. The walls are adorned

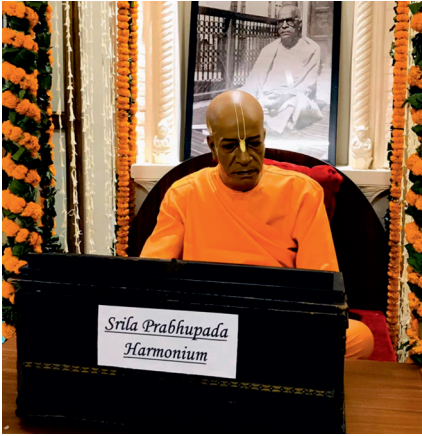


समाचार

इस्कॉन छिपीवाड़ा मंदिर का उद्घाटन (1 नवंबर)

अपने आध्यात्मिक गुरु द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन हेतु, श्रील प्रभुपाद की यात्रा, पुरानी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले मार्गों से आरंभ हुई थी। दिल्ली के इस क्षेत्र, जिसे एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद, जामा मस्जिद के लिए ज्यादा जाना जाता है, के भीतर इस्कॉन छिपीवाड़ा मंदिर स्थित है। सुंदर, हालांकि छोटे से, मंदिर में श्रील प्रभुपाद संग्रहालय है, जिसका उद्घाटन 1 नवंबर को हुआ था। गौर-नितार्ई के विग्रहों को भी उसी दिन स्थापित किया गया। इस समारोह में श्रील प्रभुपाद के लगभग 30 शिष्यों के साथ ही उनके सैकड़ों अनुयायियों ने भी भाग लिया, जिन्होंने उनके इस करिश्मे को साकार होते हुए देखने हेतु कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया था। मंदिर अपनी विशेष वास्तुकला के साथ कारीगरी का एक उत्कृष्ट नमूना है। आत्मीय कीर्तन से वातावरण में उत्साह का संचार हुआ, जो सभी उपस्थितजन के हृदयों पर छा गया। संग्रहालय में श्रील प्रभुपाद का कुछ निजी सामान जैसे उनकी हारमोनियम तथा मूल पत्र प्रदर्शित किये गए हैं। संसार की 60 विभिन्न भाषाओं में उनकी पुस्तकों का प्रभावशाली संग्रह





with memorable sketches from the unparalleled life of Srila Prabhupada. This temple is sure to become an attraction for the general populace and will go a long way in establishing Prabhupada as one of the greatest saints of Modern Age.

Yatra to Sri Dhama Mayapur (Nov 1st -4th) (ISKCON, Rohini)

The Temple president, H.G. Keshav Murari Prabhu, along with two other brahmacharis led a spiritual tour to Sri Dhama Mayapur & Ganga Sagar. The owner of the Hotel Radisson, Delhi, Shri Manmohan Garg was accompanied by 75 VIP's. ISKCON leaders discussed the Krishna Consciousness philosophy with the VIP delegation, gave them the beads and also inspired them to chant. Overall, the participants were very enlivened and want to pursue spiritual life.



Sri Krishna Balarama Rath Yatra (2nd November) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Lord is so merciful that in order to give darshan to those who do not climb the steps of temples, He Himself comes out in a procession with His devotees. Sri Krishna Balarama came out in the annual Rath Yatra organised in Old Delhi. Hundreds of devotees pulled the ropes of the rath and another hundred waited to use this opportunity to purify themselves. Devotees chanted the transcendental names of the Lord and danced for His pleasure. Their Lordships were welcomed by Honourable Health Minister Shri Harshvardhan with aarti and bhoga. 56 bhoga was offered to the Lord. The procession included live performances of the scenes of Mahabharata and Damodaralila by children and adolescents. Dioramas and flash mobs depicting the pastimes of the Lord, were also presented.

The yatra concluded at Subhash Maidan. Short lectures by various spiritual leaders and dignitaries were presented. His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja also addressed

भी है। दीवारों को श्रील प्रभुपाद के अद्वितीय जीवन के अविस्मरणीय रेखाचित्रों से सजाया गया है। इस मंदिर का सामान्य जनता हेतु आकर्षण का केंद्र बनना सुनिश्चित है और श्रील प्रभुपाद को आधुनिक युग के सबसे महान संतों में से एक के रूप में स्थापित करने के मार्ग पर यह आगे लंबा रास्ता तय करेगा।

श्री धाम मायापुर की यात्रा (1 नवंबर से 4 नवंबर) (इस्कॉन, रोहिणी)

मंदिर अध्यक्ष, श्रीमान केशव मुरारी प्रभुजी, ने दो अन्य ब्रह्मचारियों के संग श्री धाम मायापुर एवं गंगा-सागर तीर्थ की आध्यात्मिक यात्रा का नेतृत्व किया। होटल रेडिसन-दिल्ली, के मालिक, श्री मनमोहन गर्गजी भी 75 वीआईपी के साथ थे। इस्कॉन के भक्तों ने वीआईपी प्रतिनिधिमंडल के साथ कृष्ण भावनामृत दर्शन पर चर्चा की, उन्हें माला दी और उन्हें जप करने के लिए भी प्रेरित किया। कुल मिलाकर, प्रतिभागी बहुत प्रफुल्लित थे और आध्यात्मिक जीवन को आगे बढ़ाना चाहते थे।

श्री कृष्ण-बलराम रथ यात्रा (2 नवंबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

भगवान इतने कृपालु हैं कि मंदिरों की सीढ़ियां न चढ़ने वालों को भी दर्शन देने हेतु वह स्वयं अपने भक्तों के साथ रथयात्रा में आते हैं। भगवान् श्रीकृष्ण-बलराम की वार्षिक रथयात्रा पुरानी दिल्ली में आयोजित की गई। सैकड़ों भक्तों ने रथ की रस्सियों को खींचा और सैकड़ों अन्य अपनी आत्म शुद्धि हेतु इस अवसर का लाभ लेने के लिए प्रतीक्षारत थे। भक्तों ने भगवान् की प्रसन्नता हेतु नृत्य एवं उनके दिव्य हरिनाम का संकीर्तन किया। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री हर्षवर्धन जी द्वारा आरती और भोग के साथ भगवान् श्री कृष्ण-बलराम जी का स्वागत किया गया तथा भगवान् को 56 भोग भी अर्पित किए गए। रथयात्रा में बच्चों एवं किशोरों द्वारा महाभारत और दामोदरलीला के दृश्यों का सजीव प्रदर्शन किया गया। भगवान् की लीलाओं को दर्शाने वाले ड्रामा एवं नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए गए। यात्रा का समापन सुभाष मैदान में हुआ। विभिन्न आध्यात्मिक गुरुओं एवं गणमान्य भक्तों द्वारा लघु व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने भी भक्तों की सभा को संबोधित कर, सभी से भगवान् श्री कृष्ण को अपने जीवन का केंद्र बनाने तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने का आग्रह किया। भक्तों ने अपने भगवान् की प्रसन्नता हेतु दीप-दान भी किया तथा कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए सुमधुर भोज प्रसाद भी रखा गया था।





the gathering of devotees, urging all to take active part in spiritual activities making Krishna the centre of their existence. Devotees performed deep dana for the pleasure of Their Lordships. Sumptuous feast followed the program.

Is Ethics in professional life an Oxymoron? (3 Nov) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Murthal, conducted an AICTE Sponsored Short Term Training Programme on "Moral Values and Ethics in Professional Education (MVEPE)" for the faculty of Engineering / Technical Colleges / Universities/ Polytechnics. The objective of this programme was to orient teachers to get empowered in adapting to challenges of the current era where the IT and social media has been influencing heavily on the mindset of students. Dr. Suruchi Mittar conducted this session for the faculty and received an overwhelming response from the participants.

Disappearance day of Srila Gaur Kisora Dasa Babaji Maharaja (8th November) (ISKCON, East of Kailash)

Acharyas in the disciplic succession are glorious in character and sublime in nature. Srila Gaur Kisora Dasa Babaji Maharaja, the spiritual master of Bhaktisiddhanta Saraswati Thakura, was a pure devotee. Refusing to have anything to do with society he was completely absorbed in the chanting of the holy names. He took only one disciple on the recommendation of Bhaktivinoda Thakura, who went on to become a stalwart preacher spreading Vaishnavism far and wide. The disappearance day of Srila Gaur Kisora Dasa Babaji Maharaja was celebrated with kirtan and pushpanjali.

Yatra to Dwarka Dhama (5th – 8th November) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Dhama yatra in the month of Kartik in the association of one's Spiritual Master is a dream come true for every devotee of ISKCON. This year the annual yatra of the disciples of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja was organised at Dwarka. A large crowd of 7500 devotees conglomerated at Dwarka from all over the world. Special trains were commissioned to facilitate their travel. Daily discourses, kirtan and Krishna katha were the most significant components of the routine of the pilgrims. Assembling together for mangala aarti, chanting japa together on the beach and absorbing their minds in the lilas of the Supreme Personality

क्या व्यवसायिक जीवन में नैतिकता अनैतिक है?

(3 नवंबर)

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, ने इंजीनियरिंग/तकनीकी कॉलेजों/विश्वविद्यालयों/पॉलिटेक्निक के संकाय हेतु 'व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत नैतिकता एवं नैतिक मूल्यों' (MVEPE) पर AICTE द्वारा प्रायोजित एक लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों को वर्तमान युग की चुनौतियों, जहां आईटी और सोशल मीडिया छात्रों की मानसिकता पर भारी पड़ रहा है, के प्रति संवेदनशील होने हेतु उन्मुख करना था। डॉ. सुरुचि मित्र ने संकाय हेतु इस सत्र का संचालन किया और प्रतिभागियों से अभिभूत कर देने वाली प्रतिक्रिया प्राप्त की।

श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव

दिवस (8-नवंबर)

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

हमारे गुरु-शिष्य परंपरा के आचार्य, चरित्र में गौरवशाली एवं स्वभाव से महान हैं। भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर के आध्यात्मिक गुरु, श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज एक शुद्ध भक्त थे। समाज में घनिष्टता रखना अस्वीकार करते हुए वह पूर्ण रूप से पवित्र नामों के जप में निमग्न थे। उन्होंने भक्तिविनोद ठाकुर की अनुशंसा पर केवल एक ही शिष्य स्वीकार किया, जो कि वैष्णव परम्परा को चारों दिशाओं में फैलाने वाले एक सशक्त प्रचारक बने। श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस कीर्तन और पुष्पांजलि के साथ मनाया गया।

द्वारका धाम की यात्रा (5 – 8 नवंबर)

(इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

कार्तिक के महीने में अपने आध्यात्मिक गुरु के संग धाम यात्रा, इस्कॉन के हर भक्त के लिए सपना सच होने जैसा है। इस वर्ष परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज के शिष्यों की वार्षिक यात्रा द्वारका धाम में आयोजित की गई थी। दुनिया भर से द्वारका में 7500 भक्तों की एक बड़ी भीड़ जुटी। इनकी यात्रा को सम्पन्न करने हेतु विशेष ट्रेनें चलवाई गईं। दैनिक प्रवचन, कीर्तन एवं कृष्ण-कथा श्रद्धालुओं की दिनचर्या के सबसे महत्वपूर्ण घटक थे। मंगला आरती के लिए एक साथ इकट्ठे होना, समुद्र तट पर एक साथ जप एवं परम भगवान की लीलाओं में अपने मन को निमग्न करना आदि का सभी भक्तों ने मिलकर आनंद प्राप्त किया। भगवान के विभिन्न मंदिरों एवं लीलास्थलियों जैसे- श्री श्रीद्वारकाधीश मंदिर, बेट द्वारका, श्रीमति रुक्मिणी मंदिर, इस्कॉन द्वारका, नागेश्वर मंदिर, गोपी तालाब, नृगकुंड में भक्तों ने दर्शन लाभ लिया। भगवान के विभिन्न रूपों में दर्शन और उनकी लीलास्थलियों ने भक्तों के हृदयों को भगवान् के प्रति आकर्षण से ओतप्रोत कर दिया। एक महा-नगरसंकीर्तन का आयोजन किया गया, जो द्वारकाधीश मंदिर के आसपास से शुरू हुआ और नगर भर में चारों ओर घूमा। भक्तों ने एक साथ नृत्य-कीर्तन किया तथा पुस्तक



of Godhead, was a schedule relished by all devotees. The various temples and places of pastimes of the Lord such as- Sri Sri Dwarkadhish temple, Bet Dwarka, Srimati Rukmini Temple, ISKCON Dwarka, Nageshwar Temple, Gopi Talaab, Nrga Kunda, were visited by the devotees. The various forms of the Lord and the places of His lila filled the hearts of the devotees with attraction for the Lord. A Maha-sankirtan was organised, which began from the vicinity of Dwarkadhish Temple and went around the city. Devotees chanted and danced together and also distributed books. The kirtan was led by His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. A waterproof pandal was set up as a "Maha cyclone" was speculated to hit the coastal city of Dwarka on the morning of 6th November, which was right in the middle of the yatra. But due to the presence of exalted Vaishnavas and so many devotees eager to hear and sing the glories of the Supreme Lord, Mother Nature acceded to the prayers making the cyclone change its course.

Book Marathon (10th November-15th January) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura and his disciple Srila A.C Bhaktivedanta Swami Prabhupada, focussed on the printing and publishing of literature. Calling this transcendental literature the 'brhadmridanga' both these acharyas flooded the world with books and scriptures overflowing with principles of devotional life. This literature is considered to be potent enough to change lives and alleviate from material pangs. Filled with the compiled and consolidated instructions of the disciplic succession on the following of devotional life in the greatest of details, these books hold the mantra to perfecting one's human existence. Devotees understand the significance and power of these books. Out of compassion for their fellow beings and in order to follow the instructions of their beloved spiritual master, devotees in ISKCON all over the world, distribute Bhagavad Gita and other transcendental literatures in the months of November and December. Book distributors are



found in all possible places of the city- from stop lights to malls. Thousands of books are distributed every day by groups which go out on sankirtan and distribution. From children to the elderly, devotees of all age groups plan and strategize to inject the nectarean philosophy of Vaishnavism, filled in these books, into the deteriorating Kali-yuga stricken human society. Striving hard to please the Guru parampara, all devotees engage and absorb themselves in book distribution.

वितरण भी किया। कीर्तन का नेतृत्व परम-पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने किया। 6 नवंबर की सुबह षष्ठाष्ट के रूप में तटीय शहर द्वारका पहुँचने वाले चक्रवात, जो कि यात्रा के ठीक बीचों-बीच था, के लिए जलरोधी पंडाल स्थापित किया गया था, लेकिन परम भगवान की महिमा को गाने और सुनने को उत्सुक, परम वैष्णवों और इतने सारे भक्तों की उपस्थिति के कारण माता प्रकृति ने उनकी प्रार्थनाओं को स्वीकार कर चक्रवात का रास्ता बदल दिया।

बुक मैराथन (10 नवंबर -15 जनवरी) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर और उनके शिष्य श्रील ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद ने साहित्य के मुद्रण और प्रकाशन पर ध्यान केंद्रित किया। इस दिव्य साहित्य को ष्वृहदमृदंग नाम देते हुए दौनों आचार्यों ने आध्यात्मिक जीवन के सिद्धांतों से परिपूर्ण पुस्तकों और धर्मग्रंथों की संसार में बाढ़ ला दी। इस साहित्य को जीवन बदलने तथा भौतिक वेदना से दूर करने के लिए पर्याप्त माना जाता है। आध्यात्मिक जीवन के अनुशरण हेतु पूर्ण विवरण के लिए गुरु परम्परा के संकलित और सम्मिलित निर्देशों से भरी हुई ये पुस्तकें किसी के मानवीय अस्तित्व को पूर्ण करने का मंत्र लिए हुए हैं। भक्त इन पुस्तकों की शक्ति और महत्व को समझते हैं। दुनिया भर में इस्कॉन के भक्त, नवंबर और दिसंबर के महीनों में अपने साथी प्राणियों पर करुणा कर तथा अपने प्यारे आध्यात्मिक गुरु के निर्देशों का पालन करने हेतु श्रीमद भगवद गीता एवं अन्य दिव्य साहित्य का वितरण करते हैं। शहर के सभी संभव स्थानों स्टॉप लाइट से लेकर मॉल तक इस दौरान पुस्तक वितरण, देखे जा सकते हैं। संकीर्तन और पुस्तक वितरण पर जाने वाले भक्त समूहों द्वारा प्रतिदिन हजारों पुस्तकों का वितरण किया जाता है। वैष्णववाद के अमृत दर्शन से ओतप्रोत इन पुस्तकों को, कलियुग की दूषित होती हुई मानव पीढ़ी को प्रदान करने हेतु, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी आयु वर्ग के भक्त, नीति एवं योजना बनाते हैं। गुरु परम्परा की प्रसन्नतावश कठिन उद्यम करते हुए, सभी भक्त स्वयं को पुस्तक वितरण में संलग्न व निमग्न कर लेते हैं।



🌳 Last day of Caturmasya (12th November)

The auspicious four months of Caturmasya ended with the end of Kartik. Kartik was celebrated with spiritual fervour and enthusiasm. Taking up vows to please the Lord, devotees offered ghee lamps to the deities every day. Prayers and bhajans were sung to seek favour and attract mercy of Vaishnavas and the lord.

🌳 Drawing competition (14th November 2019) (ISKCON, Dwarka)

A Drawing competition was organized for the children of age group 5 to 16 years. Around 50 children participated in the event. Apart from judging the painting based on various parameters, paintings were floated on the Facebook and most popular paintings were considered. The theme of the competition was 'benefit of a temple in the society'.

🌳 A day in the service of nature (ISKCON, Punjabi Bagh)

A tree plantation drive was organized in collaboration with an NGO "Ek Kaam Desh Ke Naam" in Srila Prabhupada Garden in front of the temple. The program was attended by several dignitaries including senior BJP leader Shri Rajeev Babbar and MCD mayor Smt. Sunita Kangra. The devotees enthusiastically took part in the drive, in order to create a better living environment for current and future generations. Over 50 trees were planted and the event helped create awareness about conserving the environment. The event was a great success.

🌳 Opening of the Mall with Harinama Sankirtan (14th November 2019) (ISKCON, Dwarka)

Vegas Mall at Sector 14, Dwarka became the first mall in the world which got inaugurated by auspicious Harinama sankirtan organized by ISKCON devotees. By the blessings of Srila Prabhupada, ISKCON will have a permanent preaching place in the mall to flow the nectar of Harinama permanently.

🌳 Value Education Olympiad Results (15 Nov) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Value Education helps in promoting social and national integration. Further, it awakens curiosity, development of proper interests, attitudes, values and capacity to think and judge about oneself. The students face more complicated decision-making situations about issues involving values. They should be helped in developing the ability to make proper choices in such situations through value education. This program reached out to 6000 students in 22 schools. A kit was distributed to each student which had one Gita, one booklet and a kidswear sponsored voucher. There were 2 levels of test on the basis of age. Students who topped were given laptop as first, bicycle as second and Amazon Kindle device as third prize.



🌳 चतुर्मास का अंतिम दिन (12-नवंबर)

कार्तिक की समाप्ति के साथ ही चार महीने का शुभ मुहूर्त समाप्त हो गया। कार्तिक को चाव एवं आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। भगवान को प्रसन्न करने के लिए प्रतिज्ञारत भक्त प्रतिदिन श्री विग्रहों को घी का दीपक अर्पित करते थे। भगवान तथा वैष्णव-भक्तों की कृपा पाने हेतु प्रार्थनाएं और भजन गाए जाते थे।

🌳 ड्राइंग प्रतियोगिता (14 नवंबर 2019) (इस्कॉन, द्वारका)

5 से 16 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों हेतु एक ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। आयोजन में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। विभिन्न मापदंडों के आधार पर पेंटिंग को पहचानने के अलावा, चित्रों को फेसबुक पर डाला गया तथा सबसे लोकप्रिय चित्रों पर विचार किया गया। प्रतियोगिता का विषय एक मंदिर का समाज को लाभ था।

🌳 एक दिन प्रकृति की सेवा में (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

मंदिर के सामने श्रील प्रभुपाद गार्डन में एक गैर सरकारी संगठन 'एक काम देश के नाम' के सहयोग से एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राजीव बब्बर और एमसीडी मेयर श्रीमती सुनीता काँगड़ा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए जीवन का वातावरण बढ़िया बनाने हेतु, भक्तों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लिया। 50 से अधिक पेड़ लगाए गए और इस आयोजन ने पर्यावरण के संरक्षण के विषय में जागरूकता पैदा करने में मदद की। यह आयोजन बड़ा सफल रहा।

🌳 हरिनाम संकीर्तन के साथ मॉल का उद्घाटन (14 नवंबर 2019) (इस्कॉन, द्वारका)

वेगास मॉल सेक्टर 14 द्वारका, दुनिया का पहला मॉल बन गया जिसका उद्घाटन इस्कॉन भक्तों द्वारा आयोजित दिव्य हरिनाम संकीर्तन से हुआ। श्रील प्रभुपाद के आशीर्वाद से, इस्कॉन के पास प्रचार एवं सतत हरिनामामृत प्रवाहित करने हेतु मॉल में स्थायी रूप से एक स्थान होगा।

🌳 मूल्य शिक्षा ओलंपियाड परिणाम (15 नवंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

मूल्य शिक्षा सामाजिक और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में मदद करती है। इसके अलावा, यह जिज्ञासा, उचित रूचि का विकास, दृष्टिकोण, मूल्यों एवं स्वयं के बारे में सोचने तथा न्याय करने की क्षमता को जागृत करता है। मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर छात्रों को, जटिल निर्णय लेने की स्थितियों का अधिक सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में, उन्हें मूल्य शिक्षा के माध्यम से उचित विकल्प चुनने की क्षमता को विकसित करने में मदद की जानी चाहिए। यह कार्यक्रम 22 स्कूलों में 6000 छात्रों तक पहुंच चुका है। प्रत्येक छात्र को एक किट वितरित की गई जिसमें एक गीता, एक पुस्तिका और एक किड्सवियर प्रायोजित वाउचर है। उम्र के आधार पर परीक्षण के 2 स्तर थे। टॉप करने वाले छात्रों को प्रथम पुरस्कार के रूप में लैपटॉप, दूसरी साइकिल और तीसरे को अमेजन किंडल डिवाइस भेंट किया गया।

Vartalaap - A Journey of Inspiration (16 Nov)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The month of Kartik was a watershed month for the media team. Kartik brought with it an inspiration for the team to take up a new initiative - Vartalaap. Vartalaap is series of one on one interviews with devotees visiting and residing at the temple. These interviews are an attempt to dive deeper into the lives of exalted personalities, to know more about their personal spiritual space, and to drive inspiration from them in our lives. The first episode went on air on 16th Nov and received overwhelming response from the temple congregation as well as other ISKCON devotees. Vartalaap episodes can be followed on ISKCON Punjabi Bagh's Jigyasa channel on YouTube as well as other social media platforms of ISKCON Punjabi Bagh, including Facebook and Whatsapp.

ISKCON - The rare pond in the desert of material world (17 Nov)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

H.G. Gauranga prabhu conducted a special session on "6 reasons for the downfall of Indians and how ISKCON is helping to revive the glory". Hundreds of devotees gathered to hear the nectarean discourse and were enriched by his presence. He explained how gradually Indian culture has been waning due to influence of external as well as internal forces. Further, he glorified the role played by Srila Prabhupada in trying to revive the rich Indian culture and inspired everyone to take up the practice of spirituality seriously. The program concluded with a special feast prasadam for everyone.



Sunday love feast
Sunday 17th Nov 2019 7:45 pm
HG Gauranga Prabhu
FOLLOWED BY PRASADAM | ISKCON PUNJABI BAGH

वर्तालाप – एक प्रेरक यात्रा (16 नवंबर)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

कार्तिक का महीना मीडिया टीम हेतु जड़-सिंचन का महीना था। कार्तिक का महीना टीम के लिए एक नई पहल – वर्तालाप-एक प्रेरक यात्रा की प्रेरणा लेकर आया। वर्तालाप, साक्षात्कार की एक श्रृंखला है जिसमें मंदिर में आने तथा निवास करने वाले भक्तों के साथ एक के बाद एक साक्षात्कार लिया जाता है। ये साक्षात्कार उत्कृष्ट व्यक्तित्वों के जीवन में गहराई से गोता लगाने, उनकी व्यक्तिगत आध्यात्मिक पैठ के बारे में और अधिक जानने तथा अपने जीवन में उनसे प्रेरणा प्राप्त करने का एक प्रयास है। 16 नवंबर को पहला एपिसोड प्रसारित हुआ और मंदिर की भक्त मंडली के साथ-साथ अन्य इस्कॉन भक्तों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यूट्यूब पर इस्कॉन पंजाबी बाग के जिग्यासा चैनल के साथ-साथ फेसबुक और व्हाट्सएप सहित इस्कॉन पंजाबी बाग के अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्तालाप एपिसोड का अनुसरण (विससवू) किया जा सकता है।



VARTALAAP
- a Journey of Inspiration
1st Episode with HG Rukmini Krishna Prabhu
on Saturday 16th Nov 2019
DON'T MISS IT ONLY ON YouTube / Jigyasa
ISKCON PUNJABI BAGH

"इस्कॉन"-भौतिक संसार के मरुस्थल में एक दुर्लभ सरोवर (17 नवंबर)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रीमान गौरांग प्रभु ने भारतीयों के पतन के 6 कारणों तथा इसे पुनर्जीवित करने में इस्कॉन की भूमिका एवं महिमा पर एक विशेष सत्र आयोजित किया। अमृतमयि प्रवचन सुनने तथा उनकी उपस्थिति से समृद्ध होने हेतु सैकड़ों भक्त एकत्रित हुए। उन्होंने बताया कि किस तरह धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति बाहरी और आंतरिक शक्तियों के प्रभाव के कारण भटक रही है। इसके अलावा, उन्होंने समृद्ध भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की कोशिश में श्रील प्रभुपाद द्वारा निर्माई गई भूमिका की महिमा बताई और सभी को आध्यात्मिकता के अभ्यास को गंभीरता से लेने हेतु प्रेरित भी किया। कार्यक्रम का समापन सभी के लिए एक विशेष भोज प्रसादम के साथ हुआ।



Upcoming events:

Mokshda Ekadashi, advent of Srimad Bhagavad Gita (8th December)
(ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

This is the occasion commemorating the day that Srimad Bhagavad Gita was spoken by Lord Sri Krishna to His dearest devotee Arjuna at the place now known as Jyotisar Tirtha amid the warring families of the Kurus and the Pandavas at Kurukshetra. Traditionally devotees go to Kurukshetra (Dharmakshetra) and recite Bhagavad Gita from early morning until the next morning, perform arati to Bhagavad-gita and to Krishna and Arjuna upon the chariot, offer lamps 'deep dana' at Brahma Sarovar, organise shloka recitals, shobha yatra and seminars on the significance of the Gita. Discussion over the subject matter of this divine text, its contemporary relevance and how it transcends space and time to continue to guide the human race, are some of the things devotees engage themselves in on this auspicious occasion. All the shlokas of the Gita will be recited in the congregation of devotees in the temple hall. Devotees also distribute Gitas on this day to propagate the principles of bhakti given in the sacred text. Distribution is also the mantra given by Srila Prabhupada, one of the greatest saints of the modern age. These books have been called 'time bombs' which can destroy the nescience of this material world. ISKCON Rohini will be celebrating this most auspicious day by organizing its annual 'Prem Kirtan Mela'. Kirtanias from various ISKCON temples will grace the occasion. This event will be organized for 2 days, 7th Dec being the adivasa and 8th being the kirtan mela.



आगामी कार्यक्रम

मोक्षदा एकादशी – श्रीमद् भगवद् गीता का प्रादुर्भाव
(8 दिसंबर)
(इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

यह वह अवसर है, जिस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने कौरवों और पांडवों के युद्धरत परिवारों के बीच अपने सबसे प्रिय भक्त अर्जुन को श्रीमद्भगवद् गीता का सन्देश जिस स्थान पर प्रदान किया था, उसको अब कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर-तीर्थ के रूप में जाना जाता है। पारंपरिक रूप से भक्त कुरुक्षेत्र (धर्मक्षेत्र) में जाते हैं और सुबह से लेकर अगली सुबह तक श्रीमद् भगवद् गीता का पाठ करते हैं, श्रीमद् भगवद्-गीता की तथा रथ पर विराजमान श्रीकृष्ण-अर्जुन की आरती करते हैं, ब्रह्म सरोवर पर दीप-अर्पित कर दीपदान करते हैं, गीता के श्लोकों का पाठ करते हैं, शोभा यात्रा निकालते हैं और श्रीमद् भगवद्गीता के महत्व पर सेमिनार आयोजित कर इस दिव्य पाठ की विषय-वस्तु तथा इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा एवं यह मानव जाति का मार्गदर्शन करने हेतु यह किस प्रकार से देश-काल-भौगोलिक-सीमा की परिस्थितियों से विलग है, आदि कुछ ऐसी चीजें हैं जिनमें भक्त इस शुभ अवसर पर स्वयं को संलग्न करते हैं। इस दिन मंदिर-हॉल में भक्त मण्डली द्वारा गीता के सभी श्लोकों का पाठ किया जाएगा। भक्त इस दिन पवित्र ग्रंथ में दिए गए भक्ति के सिद्धांतों का प्रचार करने हेतु गीता-वितरण भी करते हैं। दिव्य-आध्यात्मिक पुस्तक वितरण भी श्रील प्रभुपादजी द्वारा दिया गया मंत्र है, जो आधुनिक युग के सबसे महान संतों में से एक हैं। इन पुस्तकों को "टाइम-बम" कहा गया है जो इस भौतिक संसार की अज्ञानता को नष्ट कर सकती हैं। इस्कॉन रोहिणी मंदिर अपने वार्षिक 'प्रेम-कीर्तन मेला' का आयोजन करके इस परम पवित्र दिन को मनाएगा। इस अवसर पर, विभिन्न इस्कॉन मंदिरों से कीर्तनिय भक्त पधारकर अपने कृपा-कीर्तन की वृष्टि करेंगे और वह भी 2 दिन, 7 दिसंबर को आदिवास और 8 दिसम्बर को कीर्तन मेला के रूप में आयोजित किया जाएगा।

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya : HDG A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

Gita Jayanti Mahotsava

For Tension Free Life

Śrīmad Read & Distribute

Bhagavad Gītā

As it is

Contact # +91-9711754641; +91-7678493201



Translated in 80+ languages
Most sublime & Easy to understand



WHY ISKCON DEVOTEES

Devotees are not ordinary booksellers; their bookselling is transcendental. It is sankirtana, the glorification of Kṛṣṇa, the Supreme Personality of Godhead.

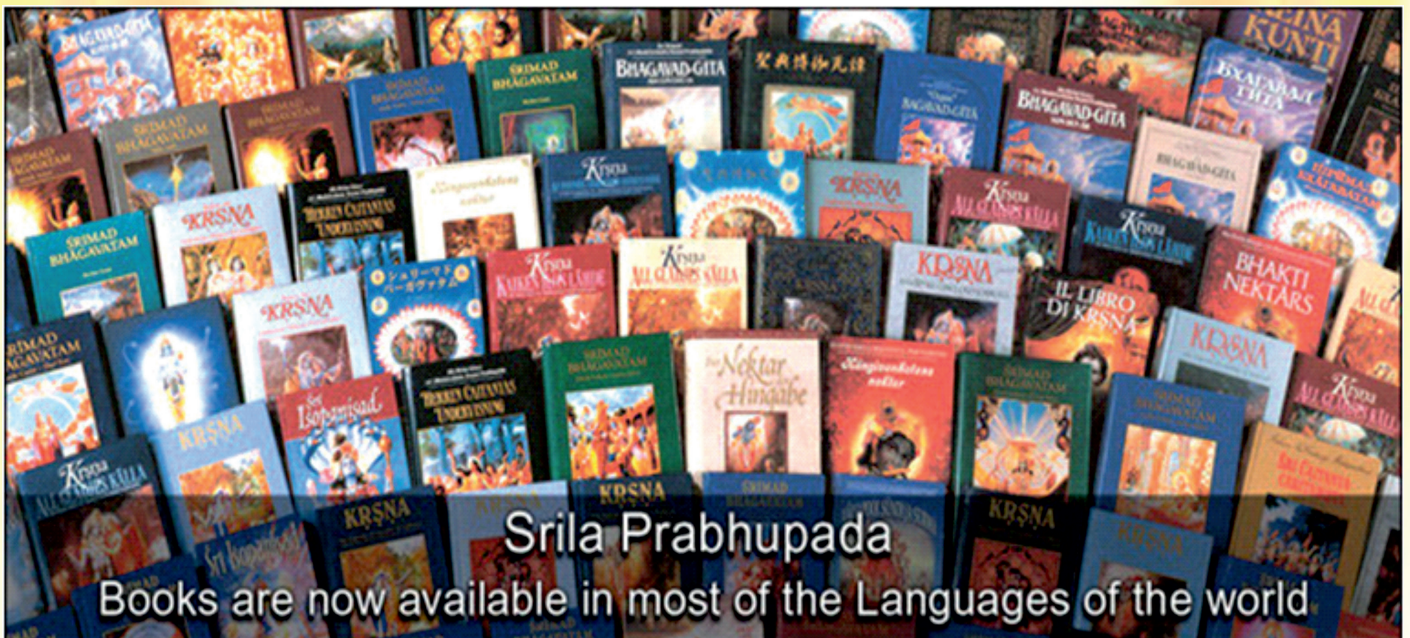
Sankirtana is not new. Five hundred years ago in West Bengal, India, Lord Caitanya—Kṛṣṇa Himself in the role of His own devotee—came to establish sankirtana as the process of purification in this age. At that time, many persons believed that one could attain perfection only by intense study of Sanskrit and the Vedas. They would spend their whole lives memorizing and discussing verses. Many also believed that spiritual life was open only to those born in the families of brahmanas, or intellectuals. Lord Caitanya, however, did not concern Himself with caste distinctions, nor did He require candidates for spiritual life to possess vast amounts of learning. He allowed everyone the opportunity to engage in the service of God simply by chanting the holy names. He desired that the chanting of the holy names of God be spread to every town and village in the world. Traveling widely throughout India, He introduced people to the chanting of Hare Kṛṣṇa and also asked them to give the chanting to others. He directed His most competent disciples to write books elaborating all aspects of devotional service to Kṛṣṇa, for the benefit of people in the future.

After Lord Caitanya left this world, many persons claiming to be His followers changed the essence of His teachings. Then, on September 2, 1838, Bhaktivinoda Thakura, a pure devotee of Lord Caitanya, was born in India. Through his writings and personal influence, he re-established the purity and deep meaning of Lord Caitanya's teachings. He was very concerned that the message of Lord Caitanya be spread throughout the world, and he prayed to the Lord for a son to help him accomplish this mission. On February 6, 1874, Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura was born to him. Even as a young boy, Bhaktisiddhanta Sarasvati was an avid scholar of Vedic literature. By age twenty-five, Bhaktisiddhanta Sarasvati had established himself as an outstanding author and scholar. He initiated many disciples and established the

Gaudiya Math, a unified group of devotees, temples, and presses throughout India. He was especially interested in using the printing press to disseminate Kṛṣṇa consciousness, and he coined the term "brhat mrdanga" (big mrdanga) in relation to the printing press. A mrdanga is a drum used to accompany the chanting of Hare Kṛṣṇa. This drum can be heard for only a block or two, whereas the "brhat mrdanga" of the printing press can be heard all over the world.

He was very eager to see that Lord Caitanya's teachings be spread worldwide, and he always urged his disciples to take Kṛṣṇa consciousness to the West. One of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati's disciples, His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, very successfully carried out this instruction. From their first meeting, Prabhupada began planning how to carry out this instruction. In 1944, he began to publish a monthly magazine in English called BACK TO GODHEAD, which he would distribute to many people in India as well as abroad. In 1962, after retiring from family life, he began to translate into English and write commentary on the Srimad-Bhagavatam, India's great spiritual classic, and by January 1965 he had published the first three volumes. With these books he felt confident to travel to America and spread Kṛṣṇa consciousness.

After one year in America, Prabhupada had gathered a few followers, and in 1966 he officially incorporated the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON). He initiated many disciples, some of whom he then sent to various cities to establish more centers. The prime means for spreading Kṛṣṇa consciousness, Prabhupada emphasized, was the distribution of transcendental literature. Following the instructions of Lord Caitanya and Srila Prabhupada, the devotees in ISKCON are enthusiastically distributing books for the benefit of people everywhere. The devotees collecting donations are not out to exploit you by taking your money to give it to some big man at the top or to keep it for themselves. The members of ISKCON want to give people the opportunity to find out about Kṛṣṇa consciousness and thus perfect their lives.



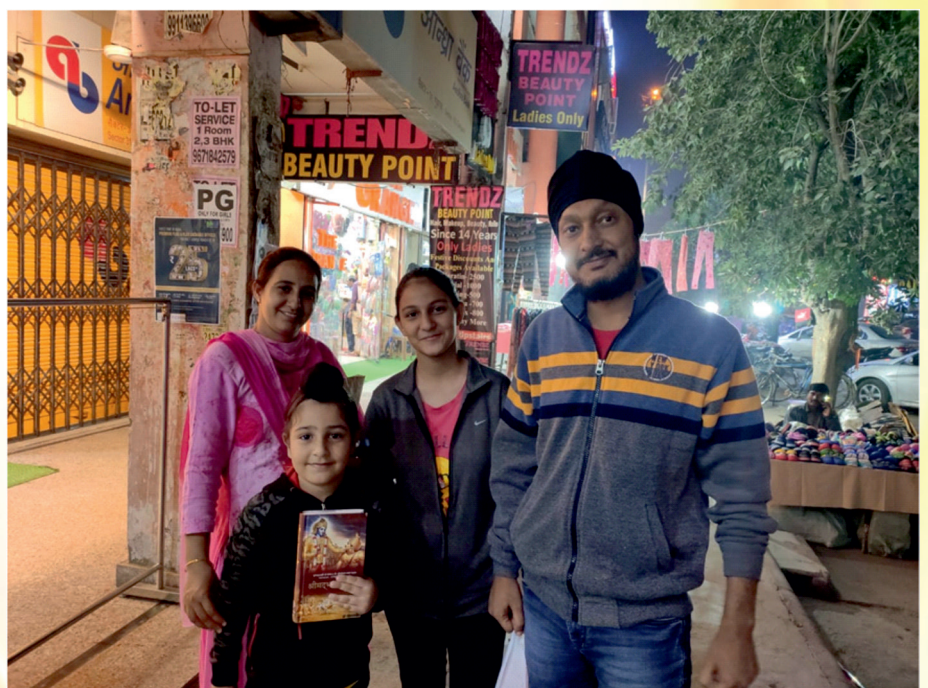
ES DISTRIBUTE BOOKS



Charitable organizations abound, but to give a suffering person free food or medical treatment is incomplete, because it neglects to give a person the knowledge that he is not his body but an eternal spirit soul, servant of Krsna. As long as one does not have transcendental knowledge, he must repeatedly suffer birth, disease, old age, and death. All problems are due simply to a lack of God consciousness.

The books the members of ISKCON are distributing present the science of God consciousness and explain how it can be implemented in society. The devotees who are distributing these books understand the urgency of presenting this message, and therefore they work with great determination. But it's not easy. Most people are not inclined toward spiritual life, and a devotee has to tolerate a lot of rejection and harsh treatment, just as he tolerates the heat, cold, rain, and snow. Some people think that these devotees get a lot of money for this or that they're "brainwashed," because this kind of voluntary enthusiasm and determination isn't ordinary. But for the devotee, distributing transcendental literature isn't an ordinary job, and he derives transcendental satisfaction

from meeting receptive people and from knowing he's pleasing his spiritual master and Krsna. Now hundreds of devotees all over the world are distributing Krsna conscious literature, and the desire of the great spiritual masters and the Supreme Lord is being fulfilled. The "brhat mrdanga" is being heard all over the world, and people are being benefited.



Disappearance day of Srila Bhatissiddhanta Sarasvati Thakura (16th December) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhatissiddhanta Sarasvati Thakura, the Spiritual Master of Srila A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, appeared in Sri Ksetra Dhama (Jagannatha Puri) on 6 February 1874 as the son of Srila Bhaktivinoda Thakura. In his childhood he quickly mastered the Vedas, memorized the Bhagavad-gita, and relished his father's philosophical works. He became known as "The Living Encyclopedia" for his vast knowledge. He preached convincingly against casteism and philosophical deviations from Gaudiya Vaishnavism. Besides being a courageous preacher, he was ornamented with all divine qualities and full of ecstatic love of God. He established 64 Gaudiya Math temples in India and centers in Burma, England, Germany. Apart from his father's writings, he published many authorized sastras. He introduced many innovations to expand preaching. All over India he staged free theistic exhibits and dioramas depicting the pastimes of Sri Krishna and Sri Caitanya Mahaprabhu. Employing the latest technology, he had even animated dolls. To commemorate the many holy places visited by Lord Caitanya he installed marble impressions of the Lord's lotus feet. Breaking tradition, he let his sannyasis wear tailored kurtas and overcoats, ride in cars and motor-boats, and carry Mahaprabhu's message across the sea to Europe. His disappearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan, chanting and glorification. Devotees will reminisce the instructions of the great acharya and pray for his mercy to progress on the spiritual path.

Srila Jiva Goswami Disappearance Day (29th December) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Jiva Goswami is the descendent of Srila Rupa Goswami and Srila Sanatana Goswami. He was the spiritual pioneer of propagating the publishing of books and treatise about the principles of bhakti. He took over the mantle from his uncles who had offered devotional service under the instruction of Chaitanya Mahaprabhu. Jiva Goswami consolidated Vaishnava sampradaya. His instructions and guidelines on how to perform devotional service continue to guide spiritual enthusiasts. The disappearance of Srila Jiva Goswami will be celebrated with kirtan, chanting, bhajans and pushpanjali.

Celebration of New Year (31st December) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

When the whole world will celebrate the coming of a New Year by destroying all the pillars of dharma, New Year is celebrated at ISKCON by remembering the Lord and singing His glories. The annual New Year celebration will be held in the auditorium at Sri Sri Radha-Parthasarathi Temple, East of Kailash. Rock show, drama, dance recital and discourses will be the salient items of the program. Devotees will be ushering the New Year by remembering the pastimes of the Lord, promising to lose not even a second in sense gratification. This opportunity will be used to revisit the vow of prioritising spiritual life.

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस (16 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर, श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के आध्यात्मिक गुरु, श्री क्षेत्र धाम (जगन्नाथ पुरी) में 6 फरवरी 1874 को श्रील भक्तिविनोद ठाकुर के पुत्र के रूप में प्रकट हुए। अपने बचपन में ही उन्होंने वेदों में विशारद प्राप्त कर, भगवद-गीता को कंठस्थ किया और अपने पिता के द्वारा रचित दर्शन को ग्रहण किया। उन्हें अपने विशाल ज्ञान के लिए षट् लिविंग इनसाइक्लोपीडिया के रूप में जाना जाने लगा। उन्होंने जातिवाद तथा गौड़ीय वैष्णव-दर्शन से विचलन के विरुद्ध दृढ़ता से प्रचार किया। एक साहसी उपदेशक होने के साथ-साथ, वह सभी दिव्य गुणों से अलंकृत तथा कृष्ण-प्रेम से आप्लावित थे। उन्होंने भारत में 64 गौड़ीयमठ-मंदिरों की स्थापना की और बर्मा, इंग्लैंड, जर्मनी में केंद्र बनाए। अपने पिता के लेखन के अलावा, उन्होंने कई अधिकृत शास्त्र प्रकाशित किए। उन्होंने प्रचार का विस्तार करने हेतु कई नई पद्धतियाँ अन्वेषित कीं। पूरे भारत में उन्होंने श्री कृष्ण और श्री चैतन्य महाप्रभु की लीलाओं को दर्शाते हुए कई ड्रामा और मुक्त आस्तिक प्रदर्शनों का मंचन किया।

उनके पास, नवीनतम तकनीक पर कार्यरत एनिमेटेड डॉल्स भी थीं। भगवान चैतन्य द्वारा यात्रा किए गए कई पवित्र स्थानों को पूजने हेतु उन्होंने भगवान के संगमरमर अंकित चरणकमल चिन्हों को स्थापित किया। उन्होंने अपनी संन्यास परंपरा को तोड़ते हुए, सिला हुआ कुर्ता और ओवरकोट पहने, कारों और मोटर-बोट में सवारी की तथा महाप्रभु के संदेश को समुद्र पार यूरोप तक पहुंचाया। उनका तिरोभाव दिवस पुष्पाञ्जलि, कीर्तन, जप एवं उनकी महिमा गायन के साथ मनाया जाएगा। भक्त महान आचार्य के निर्देशों का स्मरण कर और आध्यात्मिक मार्ग पर प्रगति हेतु उनकी कृपा की प्रार्थना करते हैं।

श्रील जीव गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस (29 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील जीव गोस्वामी, श्रील रूप गोस्वामी और श्रील सनातन गोस्वामी के वंशज हैं। वह किताबों के प्रकाशन और भक्ति के सिद्धान्तों के बारे में प्रचार करने वाले आध्यात्मिक अग्रदूत थे। उन्होंने अपने चाचाओं से यह कार्यभार संभाला जिन्होंने चैतन्य महाप्रभु के निर्देशन में भक्ति सेवा की थी। जीव गोस्वामी ने वैष्णव सम्प्रदाय को समेकित किया। प्रेममयि भक्ति-सेवा कैसे करें, इस बारे में उनके निर्देश एवं मार्गदर्शन सतत रूप से आध्यात्मिक उत्साही लोगों की दिशा निर्देशित करते रहते हैं। श्रील जीव गोस्वामी का तिरोभाव कीर्तन, भजन, जाप और पुष्पाञ्जलि के साथ मनाया जाएगा।

आंग्ल-नववर्ष का समारोह (31 दिसंबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

जब पूरी दुनिया धर्म के सभी स्तंभों को गिराकर नए साल के आगमन का उत्सव मनाएगी, तब इस्कॉन में नया साल, भगवद-स्मरण एवं उनकी महिमा गायन के साथ मनाया जाएगा। ईस्ट ऑफ कैलाश के श्री श्री राधा-पार्थसारथी मंदिर के सभागार में वार्षिक नववर्ष समारोह का आयोजन किया जाएगा। रॉक शो, ड्रामा, नृत्य नाटिका और प्रवचन आदि कार्यक्रम के प्रमुख अंग होंगे। भक्तों द्वारा भगवान् की लीलाओं का चिंतन कर आंग्ल नववर्ष में प्रवेश करेंगे, तथा इन्द्रिय तृप्ति की भावना में एक सेकंड भी नहीं खोने की प्रतिज्ञा के साथ इस अवसर का उपयोग आध्यात्मिक जीवन को प्राथमिकता देने के संकल्प को पुनः जीवन में लागू करने के विचार के साथ किया जाएगा।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri, New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivast Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Lajpat Nagar – 7pm. Every MONDAY at Sant Kanwar Ram Mandir, Jal Vihar Road, Lajpat Nagar-2, New Delhi. Contact : 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Vaikuntha Fun School, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, PUNJABI BAGH

Kirti Nagar- Shemrock heights Play School- E-77, opp. Kotak Mahindra Bank. Centre Coordinator- Krishna Murari Prabhuj- 9868387810

Paschim Vihar- 344, Pragati Apartments, club road Punjabi bagh, Centre Co-ordinator- Jahanvi Mataji 9250637080, Parul prabhuj- 9971493379

Rani Bagh- OM Public School, Furniture Market, Rishi Nagar. Centre Co-ordinator Vikas Singhal- 9654690503, Sadhyavilasini Mataji – 9212400126

Vishal Enclave- Kidz Liliput- B33 Vishal Enclave, Rajouri Garden, Centre Coordinator- Kavita Gulati Mataji -8447487375

Shastri Nagar WZ-38, opposite Mother Dairy, Centre Coordinator- Vaibhav Gupta Prabhuj- 9868036006, 9213432666, Sadhya Krishan Prabhuj- 9999840554

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

S.G.N. WEALTH ADVISORY SERVICES

Cont : 9212743876, 8851942718

Email: srigaurharidas@gmail.com

Financial Planing • Tax Planing • Health Planing
Mutual Funds • Bank F.D. • General/Life Insurance

Bonita
Changing the way you live

सर्दी गर्मी या बरसात, हमेशा देगा आपका साथ

DELIGHT
RETRACTABLE CLOTHESLINE
Available at bonitaindia.com, Amazon, Flipkart, Selected Hometown and Big Bazaar Stores

LAUNDRY | ORGANIZING | STORAGE | KITCHEN
www.bonitaglobal.com | sales@bonitaglobal.com | +91 8130577666

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shraavan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram, Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of 56 varieties
of dishes under one roof...

Facilities for Corporate Meetings / Seminars /
Weddings / Birthday / Reception etc. from
Minimum 30 to 600 persons. We undertake
Outdoor Catering services as well.

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065

98718 63733 | 9650800328 | 011-41094042

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm